भारत के मुगल साम्राज्य का इतिहास - PDF में GK Notes Download करें!

मुगल साम्राज्य कर्मियों के विशाल परिसर, और सम्राट की सेवा के लिए समर्पित एक काफी कुशल और केंद्रीकृत संगठन था। मुगल साम्राज्य का उदय भारत के मध्ययुगीन इतिहास में एक युग परिवर्तन को पंजीकृत करता है। जीत और प्रभुत्व उनकी एकमात्र चिंता नहीं थी। उन्होंने एक शाही समाज स्थापित किया जहां शासकों का प्रभाव काफी लंबा था। यह लेख आपको मुगल साम्राज्य के दौरान सभी महत्वपूर्ण सम्राटों और घटनाओं को बताता है। आप इस लेख को पढ़ने के बाद पीडीएफ में भी डाउनलोड कर सकते हैं।

भारत के मुगल साम्राज्य के दौरान शासक

बाबर (1526-1530)

- बाबुर मुगल वंश के संस्थापक थे।
- वह अपने पिता की ओर से तिमुर के वंशज थे और चंगेज खान अपनी मां की तरफ से थे।
- उन्होंने पानीपत (1526) की पहली लड़ाई में इब्राहिम लोदी को हराया और भारत में मुगल शक्ति की स्थापना की।
- 1527 में, उन्होंने आगरा के पास खानवा की लड़ाई में मेवार के राणा संगा को हराया और 1529 में, उन्होंने घगरा की लड़ाई में दूसरी बार अफगानों को हराया।
- तुजुक-ए-बाबुरी या बाबर्णमा बाबर की जीवनी है।

हुमायूं (1530-1540 और 1555-56)

- बाबर की मृत्यु के बाद, उनके बेटे हुमायूं ने सिंहासन संभाला।
- उनका पहला युद्ध 1532 में चुनाट में शेर खान (जिसे बाद में शेर शाह के नाम से जाना जाता था) के साथ हुआ था।
- शेर शाह ने उन्हें चौसा (1539) के साथ-साथ कनौज (1540) की लड़ाई में भी पराजित किया। उसके बाद, वह भारत से भाग गया।
- शेर शाह की मृत्यु के बाद, उन्होंने शेर शाह के भाइयों पर हमला किया और हराया और एक बार फिर भारत के शासक बन गए।
- हुमायुनमा, उनकी जीवनी, उनकी बहन गुलबदान बेगम ने लिखी थीं।

CURRENT AFFAIRS
FASTEST WAY TO PREPARE
CURRENT AFFAIRS
GET IT ON Google Play

अकबर द ग्रेट (1556-1605)

आपको अकबर के बारे में जानना चाहिए क्योंकि वह मुगल राजवंश के अन्य शासकों की तुलना में ऐतिहासिक और राजनीतिक रूप से अधिक प्रासंगिक है।

- हुमायूं का सबसे बड़ा पुत्र अकबर 14 साल की उम्र में सिंहासन पर बैठा।
- उनके रीजेंट बैराम खान ने सामरिक शहरों पर विजय प्राप्त की और मालवा और राजस्थान को अधीन कर दिया।
- पानीपत (1556) की दूसरी लड़ाई हेमू के बीच लड़ी गई थी, जो मोहम्मद आदिल शाह और बैराम खान (अकबर के सलाहकार) के जनरल थे। इस लड़ाई में हेमू हार गए थे। पानीपत की दूसरी लड़ाई मुगल साम्राज्य की वास्तविक शुरुआत को चिह्नित करती है।

गैर-राजपूत राज्य पर विजय: मालवा, गोंडवाना, गुजरात, बिहार, बंगाल, उड़ीसा इत्यादि।

राजपूत राज्य की विजय: मेवार के राणाओं को छोड़कर लगभग सभी राजपूत राज्य अकबर की सर्वोच्चता को मान्यता देते हैं।

1576 में, राणा प्रताप और मुगल सेना के नेतृत्व में मन सिंह ने हल्दीघाटी की लड़ाई लड़ी जहां अकबर की सेना ने राणा प्रताप को हराया।

एनडब्ल्यू फ्रंटियर: काबुल, सिंध इत्यादि।

प्रशासनिक नीतियां और राजस्व सुधार: मानसबारी, ज़बती और दहसल प्रणाली का परिचय।

Religious policies:

1. दीन-ए-इलाही नामक एक नए धर्म की घोषणा की जिसमें इस्लाम, हिंदू धर्म, ईसाई धर्म आदि जैसे विभिन्न धर्मों का सार था।
2. राजपूत की हिंदू बेटियों से शादी करके, उन्होंने अपनी धर्मनिरपेक्ष नीति और अन्य धर्म की ओर सम्मान दिखाया।
3. उन्होंने तीर्थयात्रा कर (Tax) समाप्त कर दिया।

अकबर के नवरत्न:

1. बीरबल

2. अबुल फजल
3. फैजी
4. राजा टोडर मल
5. राजा मान सिंह
6. तानसेन
7. अब्दुर-रहीम खान-ए-खाना
8. फकीर अजीओ-दीन
9. मुल्ला दो-पियाजा

जहांगीर (1605- 1627)

अकबर की मृत्यु के बाद, उनके बेटे सलीम (जहांगीर) ने सिंहासन लिया।

- वह अपने चित्रों के लिए प्रसिद्ध था। इसके अलावा, उन्होंने फारसी में तुजुक-ए-जहांगीरी भी लिखा।
- न्याय के उद्देश्य के लिए, उन्होंने जंगीर-ए-अदल की स्थापना की।
- उन्होंने 5 वें सिख गुरु अर्जुन सिंह को मौत की सजा सुनाई।
- अपने आखिरी दिनों में, उनके बेटे शाहजहां ने उनके खिलाफ विद्रोह किया।

testbook.com

शाहजहां (1628- 1658)

जहांगीर की मौत के बाद शाहजहां सिंहासन पर बैठा। पड़ोसी साम्राज्यों के लोग उन्हें अपनी विदेश नीतियों के लिए सर्वश्रेष्ठ मानते थे।

- राजनीति के अलावा, वह कला, संस्कृति और वास्तुकला के प्रति अपने प्यार के लिए भी जाना जाता था।
- ताजमहल यूनेस्को मान्यता प्राप्त विश्व धरोहर स्थलों में से एक है जो अपने समय के दौरान बनाया गया था।
- इसके अलावा जामा मस्जिद, लाल किला उनके कमीशन द्वारा निर्मित शानदार संरचनाओं में से कुछ थे।
- 1658 में, उनके बेटे औरंगजेब ने उन्हें कैद कर दिया।
- 8 साल की कारावास के बाद, 1666 में उनकी कैद के दौरान उनकी मृत्यु हो गई।

CURRENT AFFAIRS
FASTEST WAY TO PREPARE
CURRENT AFFAIRS
GET IT ON Google Play

औरंगजेब (1658- 1707)

अपने पिता को पकड़ने और अपने तीन भाइयों की हत्या के बाद, औरंगजेब ने सिंहासन लिया।

- उन्होंने 9वे सिख गुरु - गुरु तेग बहादुर को भी निष्पादित किया जब उन्होंने इस्लाम धर्मांतरित करने से इंकार कर दिया।
- उन्होंने बीजापुर और गोलकोंडा पर कब्जा कर लिया।
- जबकि उन्होंने शासन किया, कई विद्रोह हुए। शिवाजी के नेतृत्व में मराठा विद्रोह उनमें से एक था।
- 1707 में औरंगजेब की मौत के बाद, मुगल साम्राज्य कमजोर उत्तराधिकारी, उत्तराधिकार के युद्ध, विदेशी आक्रमण के कारण कमजोर पड़ गया और अंत में मुग़ल साम्राज्य का अंत हो गया।
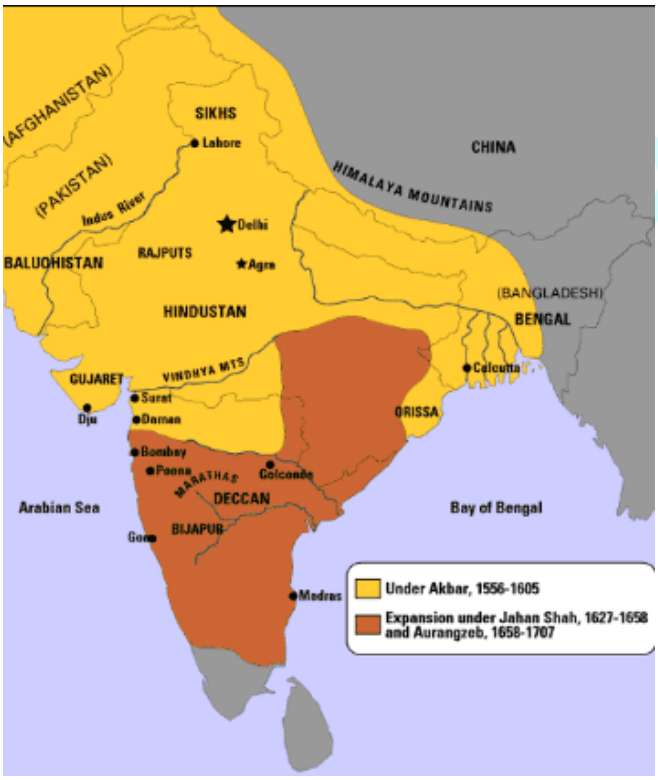
यहां अकबर के मुगल साम्राज्य और उनके उत्तराधिकारी के तहत भारत का नक्शा है जो ऐतिहासिक और भौगोलिक ज्ञान दोनों के मामले में अत्यधिक महत्वपूर्ण है।